

भारत- ओमान समझौता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारत और ओमान](#) ने [सैन्य सहयोग](#) के साथ-साथ [समुद्री सुरक्षा](#) पर समझौता ज्ञापन (Memoranda of Understanding- MoUs) का नवीनीकरण किया।



प्रमुख बंदि:

भारत- ओमान संबंध:

- सल्तनत ऑफ ओमान (ओमान) खाड़ी देशों में [भारत का रणनीतिक साझेदार](#) है और [खाड़ी सहयोग परिषद](#) (Gulf Cooperation Council- GCC), अरब लीग तथा [हिंद महासागर रमि एसोसिएशन](#) (Indian Ocean Rim Association- IORA) के लिये एक महत्त्वपूर्ण वार्ताकार है।
 - भारत [IORA](#) का सदस्य है परंतु [GCC](#) और अरब लीग का सदस्य नहीं है।
- अरब सागर के दोनों देश एक-दूसरे से [भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक](#) रूप से जुड़े हुए हैं तथा दोनों के बीच सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, जिसका श्रेय ऐतिहासिक समुद्री व्यापार संबंधों और भारत के साथ शाही परिवार की घनिष्ठता व ओमान के निर्माण में भारतीय प्रवासी समुदाय द्वारा नभई गई मौलिक भूमिका जैसी ओमान की सरकार ने स्वीकार किया है, को दिया जाता है।
- संयुक्त आयोग की बैठक (JCM) और संयुक्त व्यापार परिषद (JBC) जैसे संस्थागत तंत्र दोनों के बीच [आर्थिक सहयोग की देख-रेख](#) करते हैं।
- रक्षा क्षेत्र सहयोग में प्रमुख द्विपक्षीय समझौते/MoUs में शामिल हैं; बाह्य अंतरिक्ष का शांतिपूर्ण उपयोग; परतर्पण; नागरिक और वाणिज्यिक मामलों में कानूनी तथा न्यायिक सहयोग; कृषि; नागरिक उड्डयन; दोहरे कराधान से बचाव; समुद्री मुद्दे आदि।

रक्षा समझौते:

- पश्चिम-एशिया में ओमान, भारत के सबसे पुराने रक्षा भागीदारों में से एक है और समुद्री डकैती वरिधी अभियानों में सहयोगी है।
- भारत ने ओमान को [राइफलों की आपूर्ति](#) की है। साथ ही भारत, ओमान में एक रक्षा उत्पादन इकाई स्थापित करने पर वचन कर रहा है।
- भारत और ओमान द्वारा अपनी तीनों सैन्य सेवाओं के बीच नियमित द्विवार्षिक द्विपक्षीय अभ्यास किया जाता है।
 - [सेना अभ्यास: अल नजाह](#)
 - वायु सेना अभ्यास: [ईसटरन ब्रिज](#)
 - नौसेना अभ्यास: [नसीम-अल-बहर](#)

समुद्री सहयोग

- ओमान [होरमुज जलडमरूमध्य](#) के प्रवेश द्वार पर स्थिति है जिसके माध्यम से भारत अपने तेल आयात का पांचवाँ हिस्सा आयात करता है।

- भारतीय जहाज़ों को ओमान द्वारा दिये गए बर्थ अधिकार (Berth Rights), भारतीय नौसेना के लिये अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी अभियानों को अंजाम देने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- भारत ने ओमान के दुकम बंदरगाह तक पहुँचने के लिये ओमान के साथ वर्ष 2018 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- भारत इस क्षेत्र में रणनीतिक गहराई बढ़ाने और हृदि महासागर के पश्चिमी तथा दक्षिणी भाग में अपनी [इंडो-पैसिफिक](#) पहुँच को बढ़ाने के लिये ओमान के साथ मलिकर कार्य कर रहा है।
- इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती पकड़ का मुकाबला करने के लिये भारत को ओमान के समर्थन की आवश्यकता है।
 - भारत, जब्रूती में **पोर्ट ऑफ डोराहेह** में अपना आधार स्थापित करने सहित इस क्षेत्र में चीन द्वारा रणनीतिक संपत्तियों के अधिग्रहण से चिंतित है।

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-oman-mou>

